भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-2881
उत्तर दिनांक 05/08/2026 को दिया गया

परमाणु ऊर्जा का उत्पादन

2881. श्री अनिल यशवंत देसाई

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) क्या मध्य पूर्व में युद्ध की स्थिति के कारण ऊर्जा संकट के मद्देनजर, सरकार ने देश में परमाणु ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ाने के लिए कोई परियोजना आरंभ की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) देश में विकास के लिए योजनाबद्ध परमाणु ऊर्जा स्थलों का ब्यौरा क्या है और विभिन्न राज्यों में उक्त परियोजनाओं के पूरा होने की अनुमानित अवधि क्या है;

(ग) क्या इन परियोजनाओं में स्वदेशी प्रौद्योगिकी और स्थानीय संसाधनों के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या प्रस्तावित परियोजना की सुरक्षा को लेकर स्थानीय आबादी द्वारा कोई चिंता व्यक्त की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार परमाणु ऊर्जा के सुरक्षित उपयोग सुनिश्चित करने के लिए कोई नए सुरक्षा उपाय या दिशानिर्देश लागू कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) सरकार ने वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट नाभिकीय विद्युत क्षमता प्राप्त करने के लक्ष्य के साथ विकसित भारत के लिए एक महत्वाकांक्षी नाभिकीय ऊर्जा मिशन की घोषणा की है। नाभिकीय विद्युत परियोजनाओं की परियोजना/निर्माण अवधि 10-12 वर्ष है। मध्य-पूर्व संघर्ष के बाद किसी विशिष्ट नाभिकीय विद्युत परियोजना को मंजूरी नहीं दी गई है।

(ख) व (ग) कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों के अधीन नाभिकीय विद्युत परियोजनाओं और योजनाबद्ध परियोजनाओं का विवरण अनुलग्नक में दिया गया है।

(घ) व (ङ) कुछ स्थलों पर स्थल और संयंत्र की सुरक्षा के बारे में, पुनर्वास से संबंधित मुद्दों पर और मत्स्य-पालन और बागवानी जैसे आजीविका के परम्परागत साधनों के खोने के भय से लोगों के एक वर्ग में आशंकाएं हैं। जन जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से विश्वसनीय तरीके से बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाते हुए आशंकाओं को दूर किया गया है। नाभिकीय ऊर्जा के सभी पहलुओं जैसे कि स्थल चयन, डिजाइन, निर्माण, कमीशनन और प्रचालन में संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। इसके अलावा, संरक्षा एक गतिशील प्रक्रिया है और नाभिकीय विद्युत संयंत्रों में विकसित वैश्विक मानकों, घटनाओं और प्रचालन अनुभव प्रतिपुष्टि के आधार पर सुधार/उन्नयन किए जाते हैं।

*****

अनुलग्नक

निर्माण/कमीशनन के अधीन नाभिकीय विद्युत परियोजनाएं				
स्थान और राज्य	**परियोजना**	**क्षमता (मेगावाट)**	**पूर्ण होने की अनुमानित तारीख/स्थिति**	**स्वदेशी/विदेशी प्रौद्योगिकी**
रावतभाटा, राजस्थान	आरएपीपी - 8	1 X 700	इकाई-8 कमीशनन के प्रगत चरण में है (2026 में प्रचालनरत होने की आशा है)।	स्वदेशी
गोरखपुर, हरियाणा	जीएचएवीपी - 1 व 2	2 X 700	कंक्रीट की पहली ढलाई से लगभग 6 वर्षों में निर्माण और कमीशनन का कार्य पूरा होने की आशा है।	स्वदेशी
कुडनकुलम, तमिलनाडु	केकेएनपीपी - 3 व 4	2 X 1000	जून-2027/जून-2028	विदेशी प्रौद्योगिकी
	केकेएनपीपी - 5 व 6	2 X 1000	जून-2029/मार्च-2030	विदेशी प्रौद्योगिकी
कल्पाक्कम, तमिलनाडु	पीएफबीआर	1 X 500	दिनांक 06.04.2026 को क्रांतिकता प्राप्त की	स्वदेशी
कैगा, कर्नाटक	कैगा - 5 व 6	2 X 700	जून-2031/जून-2032	स्वदेशी
पूर्व-परियोजना गतिविधियों के अधीन परियोजनाएं				
गोरखपुर, हरियाणा	जीएचएवीपी - 3 व 4	2 X 700	पूर्व-परियोजना गतिविधियों के अधीन परियोजनाओं के वर्ष 2031/32 तक क्रमिक पूर्ण होने की आशा है।	स्वदेशी
चुटका, मध्य प्रदेश	चुटका -1 व 2	2 X 700		स्वदेशी
माही बांसवाड़ा, राजस्थान	माही बांसवाड़ा -1 व 2	2 X 700		स्वदेशी
	माही बांसवाड़ा - 3 व 4	2 X 700		स्वदेशी
कल्पाक्कम, तमिलनाडु	एफबीआर - 1 व 2	2 X 500		स्वदेशी
योजनाबद्ध नाभिकीय विद्युत परियोजनाएं/स्थल				
रावतभाटा, राजस्थान	आरएपीपी - 9 व 10	2 X 700	प्रस्तावित नाभिकीय विद्युत परियोजनाएं	स्वदेशी
काकरापार, गुजरात	केएपीपी - 5 व 6	2 X 700		स्वदेशी
नरौरा, उत्तर प्रदेश	एनएपीपी - 3 व 4	2 X 700		स्वदेशी
जैतापुर, महाराष्ट्र	जेएनपीपी - 1 से 6	6 X 1730	सैद्धांतिक रूप से अनुमोदित स्थल	विदेशी प्रौद्योगिकी
कोव्वड़ा, आंध्र प्रदेश	कोव्वड़ा - 1 से 6	6 X 1208		विदेशी प्रौद्योगिकी
हरिपुर, पश्चिम बंगाल	हरिपुर - 1 से 6	6 X 1000		विदेशी प्रौद्योगिकी
मीठी विर्दी, गुजरात	मीठी विर्दी - 1 से 6	6 X 1000		विदेशी प्रौद्योगिकी
भीमपुर, मध्य प्रदेश	भीमपुर - 1 से 4	4 X 700		स्वदेशी

*****